सांध्य दैनिक 4PM

हमें भूत के बारे में पछतावा नहीं करना चाहिए न ही भविष्य के बारे में चिंतित होना चाहिए, विवेकवान व्यक्ति हमेशा वर्तमान में जीते हैं।
-चाणक्य

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्षः 8 • अंकः 152 • पृष्ठः 8 • लखनऊ, शुक्रवार, 8 जुलाई, 2022

देश को खामोश राष्ट्रपति की जरूरत... 8 | कल्याण सिंह के सहारे 2024 साधने... 3 | पिकअप की टक्कर से तीन महिलाओं... 7

जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे की हत्या, दुनिया स्तब्ध

» जनसभा को संबोधित करने के दौरान हमलावर ने करीब से मारी थी दो गोली

» इलाज के दौरान पूर्व पीएम का निधन, जापान में शोक की लहर

» पुलिस की गिरफ्त में हमलावर, राष्ट्राध्यक्षों ने जताया दुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

टोक्यो। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की आज सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई। हमलावर ने नारा शहर में एक जनसभा को संबोधित करते समय पूर्व पीएम को करीब से दो गोलियां मारी। शिंजो आबे को बेहद नाजुक हालत में अस्पताल पहुंचाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है। पूर्व पीएम शिंजो आबे के निधन से जापान में शोक की लहर है। वहीं इस घटना से पूरी दुनिया स्तब्ध है। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने पूर्व पीएम के निधन पर शोक जताया है।

सभा को संबोधित करने के दौरान जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे को हमलावर ने पीछे से दो गोलियां मारीं। गोली लगते ही शिंजो आबे जमीन पर गिर गए। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जापान के एक अधिकारी ने बताया कि शिंजो आबे हमले के बाद सांस नहीं ले रहे थे। एयरलिफ्ट करते वक्त उनकी दिल की धड़कने भी बंद थीं। शिंजो आबे ने 2020 में पीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। वे पिछले कुछ महीनों से बीमार थे। वे जापान में सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खास दोस्त थे। आरोपी का नाम यामागामी तेत्सुया है। उसकी उम्र 41 साल है। आरोपी सेल्फ डिफेंस का सदस्य रह चुका है। हमलावर ने बताया कि वह जापान के पूर्व पीएम से नाखुश था और उन्हें जान से मारना चाहता था।

वीडियो आया सामने

आबे पर हमले का वीडियो सामने आया है। बीएनओ न्यूज ने हमले का वीडियो जारी किया है। वीडियो में गोलीबारी के बाद अफरा-तफरी का माहौल दिख रहा है। गोली लगने के तुरंत बाद ही आबे जमीन पर गिर जाते हैं। आबे पर काफी करीब से हमला हुआ था। मौके पर मौजूद पुलिस ने फौरन हमलावर को गिरफ्तार कर लिया।

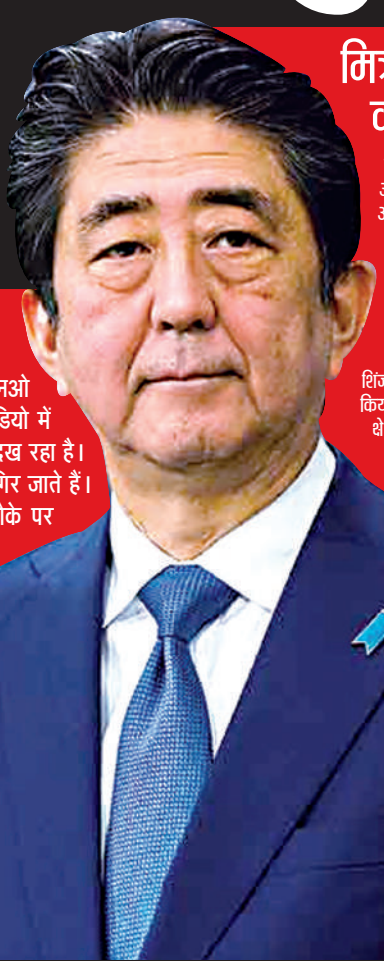

मित्र शिंजो आबे को मोदी ने कराई थी बनारस की सैर

वाराणसी। पीएम मोदी और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की दोस्ती जगजाहिर है। प्रधानमंत्री रहते हुए जब शिंजो आबे भारत आए थे तो पीएम मोदी उन्हें 12 दिसंबर 2015 को वाराणसी दर्शन को लेकर आए थे। दोनों प्रधानमंत्रियों ने दशाश्वमेध घाट पर गंगाजल हाथ में लेकर विश्व की मंगलकामना का संकल्प लिया था। इस दौरान शिंजो आबे का भारतीय संस्कृति और सभ्यता के प्रति स्नेह सभी ने देखा था। दोनों ने मढ़ी में बैठकर एक घंटे से अधिक गंगा आरती देखी थी। बनारस में हुए अभूतपूर्व स्वागत से शिंजो गदगद थे और देर तक खड़े रहकर लोगों का अभिवादन किया था। यही नहीं मोदी और शिंजो ने नदेसर पैलेस में अपने क्षेत्र के महारथी 68 खास लोगों से मुलाकात कर भविष्य की योजना का खाका भी खींचा था। भारत-जापान की वर्षों से चली आ रही मैत्री के प्रतीक रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर की नींव 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने रखी थी। वहीं जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे की हत्या की खबर से वाराणसी के लोग सदमे में हैं।

शिंजो आबे के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख, एक दिन के राष्ट्रीय शोक का ऐलान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट किया कि मैं अपने सबसे प्यारे दोस्तों में से एक शिंजो आबे के दुखद निधन पर स्तब्ध और दुखी हूं। वह एक महान वैश्विक राजनेता, एक उत्कृष्ट नेता और एक उल्लेखनीय प्रशासक थे। उन्होंने जापान और दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। अपनी हाल की जापान यात्रा के दौरान मुझे श्री आबे से दोबारा मिलने और कई मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर मिला। वह हमेशा की तरह मजाकिया और समझदार थे। मुझे क्या पता था कि यह हमारी आखिरी मुलाकात होगी। उनके परिवार और जापानी लोगों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। उन्होंने आगे लिखा, पूर्व प्रधान मंत्री शिंजो आबे के प्रति हमारे गहरे सम्मान के प्रतीक के रूप में 9 जुलाई 2022 को एक दिन का राष्ट्रीय शोक मनाया जाएगा। श्री आबे ने भारत-जापान संबंधों को एक विशेष सामरिक और वैश्विक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया। आज पूरा भारत जापान के साथ शोक में है और हम इस कठिन घड़ी में अपने जापानी भाइयों और बहनों के साथ खड़े हैं।

“ जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे के निधन से गहरा दुख हुआ, उनके परिवार को मेरी संवेदनाएं।

राहुल गांधी, पूर्व अध्यक्ष, कांग्रेस

जुबैर को सशर्त जमानत, यूपी पुलिस को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

» अल्ट न्यूज के सह संस्थापक हैं मोहम्मद जुबैर

» धार्मिक भावनाओं को आहत करने का है आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अल्ट न्यूज के सह संस्थापक मोहम्मद जुबैर को सुप्रीम कोर्ट ने आज पांच दिन के लिए सशर्त अंतरिम जमानत दे दी। शीर्ष कोर्ट ने जुबैर को जमानत देने के साथ ही यूपी पुलिस को नोटिस देकर जवाब मांगा है। जुबैर संभवतः जेल से छूट नहीं पाएंगे क्योंकि वह दिल्ली पुलिस के एक अन्य केस में न्यायिक हिरासत में हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने जुबैर को अंतरिम जमानत इस शर्त पर दी कि वह मामले से संबंधित मुद्दे पर कोई नया ट्वीट नहीं करेंगे। साथ ही सीतापुर मजिस्ट्रेट की अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर नहीं जाएंगे। जुबैर को यूपी की सीतापुर पुलिस ने उनके खिलाफ दर्ज केस को लेकर गिरफ्तार किया था। यह मामला महंत बजरंग मुनि, यति नरसिंहानंद और स्वामी आनंद स्वरूप के खिलाफ जुबैर द्वारा किए गए एक ट्वीट से जुड़ा है।

दिल्ली पुलिस की न्यायिक हिरासत में हैं जुबैर

जुबैर दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में है। इसमें धार्मिक समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देने का आरोप है। यह मामला 2018 में उनके द्वारा किए गए एक ट्वीट पर आधारित है। इस ट्वीट में 1980 के दशक की एक फिल्म-किसी से ना कहना का स्क्रीनशॉट शेयर किया था। जुबैर को दिल्ली पुलिस ने 17 जून को हिंदूफोबिया ट्वीट और संतों के अपमान तथा विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के उल्लंघन के आरोप में गिरफ्तार किया था।

यूपी से निर्वाचित भाजपा के आठ राज्य सभा सदस्यों ने ली शपथ, सीएम ने दी बधाई

» उप राष्ट्रपति ने दिलायी पद और गोपनीयता की शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी से निर्विरोध निर्वाचित भाजपा के आठ सदस्यों सहित 11 राज्य सभा सदस्यों ने आज संसद भवन में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के आठों सदस्यों को बधाई दी है। इसके अलावा समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल तथा निर्दलीय एक-एक सदस्य ने भी शपथ ली है। उप राष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने इन सभी को शपथ दिलाई।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डा. लक्ष्मीकांत बाजपेई, भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा की उपाध्यक्ष दर्शना सिंह, उत्तर प्रदेश पिछड़ा वित्त विकास निगम के अध्यक्ष बाबू राम निषाद, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में गुर्जर समुदाय के बड़े नेता सुरेन्द्र सिंह नागर ने राज्य सभा सदस्य के पद की शपथ ली। पार्टी के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. के लक्ष्मण, शाहजहांपुर से लोक सभा सदस्य रहे मिथलेश कुमार, डा. राधा मोहन दास अग्रवाल और भाजपा महिला मोर्चा की नेता संगीता यादव ने भी भाजपा से राज्य सभा सदस्य के रूप में शपथ ली। इसके अलावा समाजवादी पार्टी के समर्थन से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में निर्वाचित कांग्रेस के नेता कपिल सिब्बल, राष्ट्रीय लोकदल के जयंत सिंह चौधरी और समाजवादी पार्टी के जावेद अली खां ने शपथ ली।

देश को खामोश राष्ट्रपति की जरूरत नहीं : यशवंत

आज की केंद्र सरकार प्रजातांत्रिक संस्था में विश्वास नहीं रखती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार व पूर्व वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा ने कहा कि देश को खामोश राष्ट्रपति की जरूरत नहीं है। देश को ऐसा राष्ट्रपति चाहिए, जो संविधान को बचा सके, लोकतंत्र को कायम रख सके और सरकारी एजेंसियों के दुरुपयोग को रोक सके। उन्होंने कहा कि आज की केंद्र सरकार प्रजातांत्रिक संस्था में विश्वास नहीं रखती है। वह अपना कानून चलना चाहती है और विपक्ष को महत्व नहीं देती है। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी आपसी सहमति में विश्वास रखते थे पर अफसोस है कि जिस पार्टी को अटल बिहारी ने सींचा, वह कहां से कहां पहुंच गई। उन्होंने दावा किया कि विपक्ष ही नहीं सत्ता पक्ष के तमाम विधायक और सांसद उनके साथ हैं।

सिन्हा ने सत्ता पक्ष की उम्मीदवार का नाम लिए बिना सवाल किया कि क्या वे संविधान की रक्षा करने के लिए तैयार हैं। आदिवासी महिला होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल से जिस समुदाय के राष्ट्रपति हैं, क्या उस समुदाय का उत्थान हुआ। विपक्ष में होने के बावजूद बसपा सुप्रीमो मायावती के समर्थन न देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही पता था। विपक्षी दलों की बैठक में वह शामिल नहीं थीं। उन्होंने

कहा कि राष्ट्रपति उम्मीदवार के तौर पर सिर्फ सत्ता पक्ष से नहीं, बल्कि कई शक्तियों से लड़ रहे हैं। इसे पूरा देश देख रहा है। वहीं वरिष्ठ नेता सुधींद्र कुलकर्णी ने बताया कि यशवंत सिन्हा को केरल में शत प्रतिशत समर्थन है। तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक में भी व्यापक समर्थन मिला है। यूपी के बाद गुजरात जाएंगे। रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने कहा कि हमारी पार्टी यशवंत सिन्हा के साथ है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि यह चुनाव पूरे देश को जोड़ने वाला है। देश के मौजूदा हालात के मद्देनजर राष्ट्रपति पद के लिए यशवंत सिन्हा से बेहतर और कोई उम्मीदवार नहीं हो सकता है।

यशवंत सिन्हा ने गिनाईं प्राथमिकताएं

यशवंत सिन्हा ने अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए कहा कि अगर उन्हें मौका मिला तो संविधान के प्रति जवाबदेह रहेंगे। पर इसका मतलब प्रधानमंत्री से टकराव नहीं बल्कि मिल-बैठकर रास्ता निकालेंगे। अगर सरकार कोई ऐसा काम करेगी, जिससे प्रजातंत्र को नुकसान होगा तो उसे रोकेंगे। चुनी गई सरकार को गिराने वालों को बेनकाब करेंगे। देश में सिर उठा रहीं सांप्रदायिक ताकतों को तोड़ेंगे। प्रेस की स्वतंत्रता बनाए रखेंगे। उन्होंने जुबेर प्रकरण की निंदा करते हुए कहा कि ऐसे मामलों की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।

सपा-सुभासपा में रार खुलकर सामने आई

समाजवादी पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के बीच अंदरखाने में चल रहा मनमुटाव सामने आ गया है। दोनों के बीच चल रही आंतरिक रार अब दीवार बनती नजर आ रही है। इसका प्रत्यक्ष प्रमाण कल देखने को मिला। सूत्र बताते हैं कि सपा कार्यालय से सुभासपा और रालोद के शीर्ष नेतृत्व को भी बैठक में आने के लिए कहा गया, लेकिन बाद में सुभासपा को बताया गया कि अभी बैठक तय नहीं है। फिर भी सुभासपा के सभी विधायकों को लखनऊ बुला लिया गया। वे लखनऊ में पहुंच कर बैठक में बुलावे आने का इंतजार करते रहे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे सुभासपा की नाराजगी बढ़ गई है। गठबंधन के बीच दीवार खड़ी हो गई है।

विधायकों से मिले सिन्हा, मांगा वोट

सपा कार्यालय में हुई बैठक में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा ने विधायकों से मुलाकात की। राष्ट्रपति चुनाव पर चर्चा हुई और शाम को एक होटल में डिनर किया। पार्टी कार्यालय में सपा विधायकों के साथ ही रालोद के विधायक भी पहुंचे। सिन्हा ने विधायकों से परिचय लिया। खुद का राजनीतिक अनुभव साझा किया। मौजूदा सियासी हालात पर चर्चा करते हुए युवा नेतृत्व की वकालत की। इस बैठक से जहां सुभासपा के विधायक दूर रहे वहीं शिवपाल सिंह यादव भी नजर नहीं आए। जबकि आजम खां बेटे अब्दुल्ला के साथ पहुंचे। सूत्र बताते हैं कि आजम खां और अखिलेश यादव के बीच कुछ देर अकेले में गुफ्तगू भी हुई।

डेढ़ लाख बालिकाओं को मिला कन्या सुमंगला योजना का लाभ : बेबी रानी

» 50 हजार महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन योजना से जोड़ा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महिला कल्याण, बाल विकास एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य ने उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि 100 दिनों में 1.40 लाख से ज्यादा बालिकाओं को कन्या सुमंगला योजना का लाभ दिया गया। इस योजना में बेटियों के जन्म से लेकर उनकी उच्च शिक्षा तक अलग-अलग छह चरणों में 15 हजार रुपये की सहायता प्रदान की जाती है।

50 हजार नई पात्र महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन योजना से जोड़ा गया। अब इस योजना में कुल 31.50 लाख महिलाओं को पेंशन

मिल रही है। योजनाओं का लाभ पात्रों को मुहैया कराने के लिए प्रत्येक 15 दिनों में विकास खंड पर स्वावलंबन कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। महिला कल्याण मंत्री ने कहा कि निराश्रित महिला पेंशन योजना में वर्ष 2016-17 में महिलाओं की संख्या 17.31 लाख थी, जो अब बढ़कर 31.50 लाख हो गई है।

44 जिलों के आंगनबाड़ी केंद्रों को प्री-स्कूल किट शीघ

बेबी रानी मौर्य ने बताया कि 31 जिलों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्री-स्कूल किट मिल चुकी है जबकि 33 जिलों में इसे खरीदने की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। शीघ्र ही बचे 44 जिलों में भी यह किट उपलब्ध करा दी जाएगी। इसके जरिए बच्चे आंगनबाड़ी केन्द्रों में ही खेल-खेल में पढ़ाई कर सकेंगे। तीन से छह वर्ष तक के बच्चों के लिए अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन प्रोग्राम के तहत 42 जिलों के आंगनबाड़ी केंद्रों पर इससे जुड़ी सामग्री भेजी जा चुकी है, बचे हुए 33 जिलों में भी शीघ्र शिक्षा सामग्री भेज दी जाएगी।

प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर करें कड़ी कार्रवाई : एके शर्मा

» नगर विकास मंत्री ने की सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर समीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने नगर निकाय के अधिकारियों को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों और नागरिकों के सहयोग से प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग को रोकने के अभियान को सफल बनाने को कहा है। मंत्री ने कहा कि नागरिकों के सहयोग के बिना प्रदेश को प्लास्टिक के उपयोग को रोकना संभव नहीं है।

इसलिए नागरिकों को जागरूक करने

के लिए भी विशेष कार्यक्रम करने को कहा है। नगर विकास मंत्री कल प्रदेश भर के नगर निकाय अधिकारियों के साथ सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक की कार्रवाई की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से क्षेत्र का नियमित दौरा करते रहने के साथ ही प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग करने वालों पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने बाजारों व व्यापारिक प्रतिष्ठानों के अलावा फल, साग-सब्जी समेत अन्य दुकानदारों की लगातार जांच- पड़ताल किया जाए।

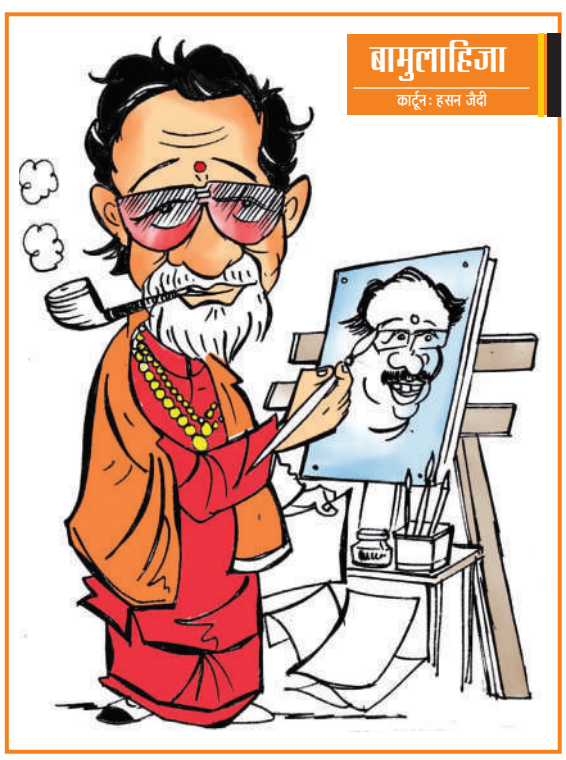

सरकारी बसों में मुफ्त में यात्रा कर सकेंगी बुजुर्ग महिलाएं

» रोडवेज ने शुरू की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। मंडलायुक्त रवि कुमार ने कहा कि 60 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के लिए सार्वजनिक परिवहन में मुफ्त यात्रा की व्यवस्था किया जाना है। नगरीय परिवहन की बसों से होने वाली दुर्घटनाओं में मृत यात्रियों के आश्रितों को 50 हजार, घायल को पांच हजार तथा तथा गंभीर रूप से घायल यात्री को 20 हजार रुपए की तात्कालिक आर्थिक सहायता करने की व्यवस्था है।

शासन ने लोक कल्याणकारी योजनाओं/कार्यक्रमों में नगरीय निकायों से संबंधित अनेक योजनाएं संचालित की है। मंडलायुक्त आयुक्त सभागार में गोरखपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड की बैठक

को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि नगरीय क्षेत्रों के भीड़ वाले रूटों को चिन्हित कर बसों की संख्या बढ़ाएं, ताकि लोगों का आवागमन सुविधाजनक हो सके। उन्होंने जगह-जगह पार्किंग विकसित करने तथा नौसढ़ सहित अन्य प्रमुख स्थलों पर इलेक्ट्रिक बसों के चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने पर जोर दिया। रोडवेज के अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी दशा में बसों सड़कों पर न खड़ी करें।

कल्याण सिंह के सहारे 2024 साधने की तैयारी में बीजेपी

- वेस्ट यूपी से अयोध्या तक लगाई जाएंगी पूर्व मुख्यमंत्री की 25 मूर्तियां
- कल्याण सिंह की पहली पुण्य तिथि से इसकी शुरुआत करने की तैयारी

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। लोक सभा चुनाव 2024 में है मगर चुनाव की तैयारियां भाजपा ने अभी से शुरू कर दी है। लोक सभा चुनाव में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के सहारे बीजेपी 2024 में मजबूत किलेबंदी करना चाहती है इसीलिए लोक सभा चुनाव 2024 से पहले पश्चिम यूपी से लेकर अयोध्या तक दिवंगत नेता कल्याण सिंह की 25 मूर्तियां लगाई जाएंगी। अलीगढ़, एटा, कासगंज, बुलंदशहर, मैनपुरी, कन्नौज, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या समेत उन सभी जिलों में ये मूर्तियां लगाई जाएंगी जहां कल्याण सिंह का प्रभाव रहा है।

भाजपा पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह को अयोध्या से जोड़कर हिंदू हृदय सम्राट के रूप में पूरे उत्तर प्रदेश में पेश करेगी। इसकी तैयारी शुरू कर दी गई है। 21 अगस्त को कल्याण सिंह की पहली पुण्य तिथि से इसकी शुरुआत करने की तैयारी है। इसकी कमान खुद कल्याण सिंह के पुत्र सांसद राजवीर सिंह राजू भैया ने संभाली है। राजवीर सिंह ने बताया कि बाबू जी की मूर्तियां अलीगढ़ में तैयार की जा रही हैं। इन मूर्तियों को बनाने के लिए जयपुर से कारीगर बुलाए गए हैं। कल्याण सिंह

की पुण्यतिथि 21 अगस्त से इन मूर्तियों को लगाने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि बाबूजी हिंदू हृदय सम्राट थे इसलिए हर उस जिले में उनकी मूर्ति लगाई जाएगी जहां उनका प्रभाव था। वैसे तो पूरा प्रदेश उन्हीं का रहा है। बाबू जी ने रामलला के लिए सत्ता का त्याग तक कर दिया इसलिए राममंदिर निर्माण में उनका योगदान कभी भुलाया नहीं जा सकता।

लोधी वोट बैंक को साधने की तैयारी

भाजपा के सामने इस समय लोक सभा चुनाव सबसे बड़ी चुनौती है। इस चुनौती से निपटने के लिए एक बार भाजपा को अपने सबसे ताकतवर नेता कल्याण सिंह की याद आई है। कल्याण सिंह के निधन के बाद हर शहर में उनकी अस्थियां विसर्जित की गईं थी। अब एक बार फिर उनकी मूर्तियों के जरिए भाजपा लोधी समाज को साधने का प्लान बना रही है। कल्याण सिंह के बेटे राजवीर सिंह के करीबियों के मुताबिक मूर्तियां सबसे पहले लोधी बाहुल्य जिलों में लगाई जाएंगी। आपको बता दें कि यूपी में लोधी लगभग पांच फीसदी से ज्यादा हैं। लोधी बाहुल्य क्षेत्र में मुख्य रूप से अलीगढ़, एटा, बदायूं, बुलंदशहर, बरेली, मैनपुरी, फर्रुखाबाद और हमीरपुर, जालौन, चित्रकूट जैसे जिले शामिल हैं।

गृह मंत्री से लेकर सीएम तक शामिल हुए थे अंतिम यात्रा में

कल्याण सिंह हिंदुत्व के पुरोधा माने जाते हैं। बीते 21 अगस्त 2021 को उन्होंने अंतिम सांस ली थी। तब उनकी अंतिम यात्रा में गृह मंत्री से लेकर यूपी समेत कई राज्यों के सीएम ने शिरकत की थी। यही नहीं, उनकी अस्थियां कई शहरों में विसर्जित की गई थी। अभी हाल ही में यूपी सरकार के बजट में कल्याण सिंह के नाम से ग्राम उन्नत योजना शुरू करने का ऐलान भी किया गया है। विधान सभा चुनाव के पहले भाजपा ने लोक कल्याण संकल्प पत्र जारी किया है। इसमें भी कल्याण सिंह के नाम पर कल्याण सिंह ग्राम उन्नत योजना शुरू करना शामिल है। उन्नत योजना के माध्यम से गांवों का समग्र विकास करना योगी सरकार का लक्ष्य है। बताया जाता है कि बाबूजी मुख्यमंत्री रहते हुए सदैव गांव-गरीब की बात की। वह कहते थे कि जब ग्रामीण इलाकों का विकास होगा तब ही समग्र विकास की कल्पना साकार होगी।

अयोध्या में मंदिर आंदोलन के नायक रहे अशोक सिंहल व कल्याण सिंह के नाम पर वार्ड

अयोध्या नगर निगम के नए परिसीमन व वार्डों के नामकरण में बड़ा बदलाव हुआ है। राम मंदिर आंदोलन के नायकों में शामिल विहिप के पूर्व अध्यक्ष अशोक सिंहल, पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह जैसी हस्तियों के नाम से भी यहां के वार्डों का नामकरण किया गया है। इसके अलावा मंदिर आंदोलन के सूत्रधारों में रहे महंत अभिरामदास के नाम से भी वार्ड बनाया गया है। अहम बात यह है कि यहां वार्डों के नामकरण में प्रयुक्त होने वाले नवाबकालीन नामों व शब्दावली को हटा दिया गया है। जिला प्रशासन ने नए सिरे से नगर निगम का परिसीमन कर इसे शासन को भेज दिया है, जिसमें कुल 60 वार्ड हैं। बहू बेगम वार्ड अब प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के नाम से जाना जाएगा। मंदिर आंदोलन के शलाका पुरुष महंत रामचंद्र परमहंस के नाम पहले से ही वार्ड है।

ढीली पड़ने लगी सपा गठबंधन की गांठ, सहयोगी दल हो रहे नाराज

- लोक सभा चुनाव के पहले ही शुरू हो गया आरोपों का दौर
- केशव देव मौर्य के बाद अब ओम प्रकाश राजभर के तेवर तल्ख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में शिकस्त के बाद सपा गठबंधन की गांठ अब ढीली पड़ने लगी है। सपा के सहयोगी दल खुलकर नाराजगी जाहिर करने लगे हैं। आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला शुरू हो गया है। लोक सभा चुनाव से पहले गठबंधन में आ रही दरार सपा के लिए चुनौती बन सकता है।

विधान सभा चुनावों में एक बार फिर नए जोश के साथ 'नई सपा है, नई हवा है' के नारे के साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने महागठबंधन बनाया था मगर नतीजों के बाद से ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। गठबंधन में दरारें पड़नी शुरू हो गईं। बिखराव साफ देखने को मिल रहा है। केशव देव मौर्य, संजय चौहान के बाद ओम प्रकाश राजभर के भी तेवर तल्ख होने लगे हैं। सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने 2024 के लोक सभा चुनावों को लेकर जिस तरह से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कामों की तारीफ करना शुरू कर दी है उससे ये जाहिर हो रहा है कि राजभर ने अपनी

सियासी दिशा बदल ली है। ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव को एसी कमरों से बाहर निकल कर जनता के बीच काम करने की सलाह दी और 2012 के विधान सभा चुनाव की जीत को नेताजी मुलायम सिंह यादव की जीत बताया तो ये बातें सपा प्रमुख को नागवार गुजरीं और उन्होंने राजभर पर ही आरोप लगा दिया कि वे कहीं और से ऑपरेट हो रहे हैं, जिसके जवाब में राजभर ने कहा कि जब तक अखिलेश के साथ थे तब कहां से ऑपरेट हो रहे थे? आजमगढ़ के चुनाव में सुभासपा के सारे नेता लगे थे मगर अखिलेश नहीं गए प्रचार करने क्यूं? इन्हीं की तो सीट थी। इन सब बातों से साफ जाहिर होता है कि सपा गठबंधन में दरारें आ चुकी हैं और सभी दल अपनी सियासत के हिसाब से शतरंज की चालें चल रहे हैं।

पहले भी टूट चुका है गठबंधन

2017 में कांग्रेस पार्टी के साथ विधान सभा चुनाव के वक्त समाजवादी पार्टी ने गठबंधन किया था मगर चुनाव के नतीजों के बाद 'दो लड़कों की जोड़ी' चल नहीं पाई और कांग्रेस ने अपना हाथ छुड़ा लिया। 2019 के लोक सभा चुनावों में बहुजन समाज पार्टी ने पुरानी रंजिश भूल कर समाजवादी पार्टी से गठबंधन किया। पूरे चुनाव 'बुआ-बबुआ' ने घूम घूमकर वोट मांगा मगर नतीजों के बाद मायावती ने सपा पर आरोप लगाते हुए गठबंधन को भूल करार दिया और गठबंधन तोड़ दिया।

क्यों तल्ख होने लगे हैं रिश्ते

विधान सभा चुनावों के नतीजों के बाद विधान परिषद और राज्य सभा के चुनाव हुए जिसमें सपा गठबंधन के घटक दलों को उम्मीद थी कि समाजवादी पार्टी उनके साथ को बनाए रखने के लिए समायोजित करेगी मगर अखिलेश ने ऐसा नहीं किया जिसके बाद से ही गठबंधन की गांठें ढीली पड़नी शुरू हो गई थीं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कोरोना की रफ्तार खतरे की घंटी

देश में एक बार फिर कोरोना की रफ्तार बढ़ने लगी है। महाराष्ट्र, दिल्ली, तमिलनाडु और झारखंड समेत कई राज्यों में संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वहीं मौतों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। पॉजिटिविटी रेट चार फीसदी को पार कर चुकी है। कोरोना वायरस की ताजा रफ्तार बेहद चिंताजनक है। सवाल यह है कि देश में कोरोना की रफ्तार फिर क्यों बढ़ने लगी है?

देश में एक बार फिर कोरोना की रफ्तार बढ़ने लगी है। महाराष्ट्र, दिल्ली तमिलनाडु और झारखंड समेत कई राज्यों में संक्रमित मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। वहीं मौतों का आंकड़ा भी बढ़ रहा है। पॉजिटिविटी रेट चार फीसदी को पार कर चुकी है। कोरोना वायरस की ताजा रफ्तार बेहद चिंताजनक है। सवाल यह है कि देश में कोरोना की रफ्तार फिर क्यों बढ़ने लगी है? क्या टीकाकरण में सुस्ती और कोरोना प्रोटोकॉल के पालन में बढ़ती लापरवाही के कारण हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं? क्या देश में एक और लहर का खतरा मंडराने लगा है? क्या केंद्र और राज्य सरकारें महामारी को लेकर गंभीर नहीं हैं? क्या अभी लंबे वक्त तक कोरोना के साथ ही लोगों को जीना होगा? विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशों का पालन क्यों नहीं किया जा रहा है? क्या एक और लहर देश की अर्थव्यवस्था को पूरी तरह चौपट नहीं कर देगी? क्या आम आदमी के सहयोग के बिना सरकारें महामारी का सामना कर पाएंगी?

ढाई साल से देश कोरोना से जूझ रहा है। अब तक इसकी चपेट में आकर पांच लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। यह वह आंकड़ा है जो सरकारी दस्तावेजों में दर्ज है जबकि तमाम लोगों ने दूसरी लहर के दौरान इलाज नहीं मिलने के कारण दम तोड़ दिया था। टीकाकरण ने हालात को नियंत्रित किया लेकिन फिर कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ने लगी है। औसतन 16 से 18 हजार केस रोज मिल रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि कोरोना की रफ्तार की बड़ी वजह कोरोना प्रोटोकॉल का पालन नहीं करना है। आम आदमी सार्वजनिक स्थलों पर न तो मास्क का प्रयोग कर रहा है न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहा है। इसके कारण संक्रमित व्यक्ति दूसरों को आसानी से संक्रमित कर रहे हैं और इनकी संख्या में इजाफा हो रहा है। यह स्थिति तब है जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने साफ तौर पर कह दिया है कि कोरोना जल्द समाप्त नहीं होने वाला है इसलिए प्रोटोकॉल का पालन पूरी सतर्कता के साथ किया जाना चाहिए। वहीं केंद्र सरकार के निर्देशों के बावजूद राज्य सरकारें कोरोना प्रोटोकॉल का पालन कराने को लेकर गंभीर नहीं है। लोग बिना मास्क घूम रहे हैं। वही टीकाकरण को लेकर भी लगातार सुस्ती बरती जा रही है। कोरोना केसों के कम होने के बाद टीकाकरण कराने से लोग बच रहे हैं। यही नहीं प्रिकॉशन डोज भी लोग नहीं ले रहे हैं। वहीं देश में अभी तक शत-प्रतिशत टीकाकरण नहीं हो सका है। जाहिर है खतरा बना हुआ। सरकार यदि कोरोना पर नियंत्रण लगाना चाहती है तो उसे तत्काल कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराना सुनिश्चित करना होगा और टीकाकरण की रफ्तार तेज करनी होगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

भारत में विविधता और लोकतंत्र

एमजे खान

किसी भी समुदाय, समाज या राष्ट्र के बारे में धारणा उसके सामूहिक चरित्र, आचरण और योगदान के आधार पर बनती है। हर समुदाय या राष्ट्र में अच्छे लोग होते हैं लेकिन राय बहुमत के व्यवहार और कार्यों के आधार पर बनती है। विचारों को थोड़े समय के लिए विकृत किया जा सकता है, लेकिन अगर लोगों का एक बड़ा वर्ग लंबे समय तक एक राय रखता है तो यह समय ईमानदारी से आत्मनिरीक्षण करने और खुद को सुधारने का है न कि उन्हें इस्लामोफोबिया बताकर स्वीकार करने से इनकार करने का।

भारतीय मुसलमानों की बात करें, तो हमें ट्रिपल टैक्स यानी तिहरा कर चुकाना पड़ रहा है- पहला, 700 साल के मुस्लिम शासन की विरासत, जिस पर हम अपना दावा करते हैं, दूसरा, मुस्लिम दुनिया में होनेवाली घटनाएं, सीरिया से लेकर अफगानिस्तान तक और तीसरा, घरेलू सामाजिक-धार्मिक मुद्दे और एक गलत पड़ोसी देश का अस्तित्व। कुल मिलाकर, भारत में बहुसंख्यकों की मुसलमानों के बारे में राय नकारात्मक बनती जा रही है और एक वर्ग तो मुस्लिम विरोधी भावनाओं से पीड़ित हो रहा है। सभ्यता की उन्नति में मुस्लिम दुनिया के निम्न योगदान के कारण भी हमारी छवि खराब है, चाहे वह आधुनिक विज्ञान हो या प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यवसाय, उद्योग या यहां तक कि सामाजिक सेवाएं. उपभोक्तावादी जीवनशैली, धर्म और राजनीति की अधिकता भरी खुराक एवं परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की कमी के परिणामस्वरूप हमारे सामाजिक और आर्थिक जीवन में गिरावट जारी है। आधुनिक शिक्षा, वैज्ञानिक अनुसंधान और प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान न देने, संस्थानों की शक्तियों का लाभ उठाने में विफल रहने और तेजी से विकसित हो रही विश्व आर्थिक व्यवस्था के साथ तालमेल न रखने से समुदाय प्रगति के अधिकतर मापदंडों में पिछड़ रहा है। हालांकि, आत्मनिरीक्षण और कार्यशैली को सही करने के लिए यह सही समय है। भारतीय मुसलमान भाग्यशाली हैं कि वे विशाल सामाजिक विविधता और परिपक्व लोकतंत्र के लाभांश का निरंतर आनंद ले रहे हैं। आज मुस्लिम महिलाओं और युवाओं में नया आत्मविश्वास आया है तथा शिक्षा, सामाजिक कार्यक्रमों एवं सरकारी कल्याणकारी योजनाओं में समुदाय की भागीदारी में सुधार हुआ है। वर्तमान समय में जो चिंताजनक माहौल हमारे चारों ओर है, उससे छुटकारा पाने के लिए देश को धार्मिक कट्टरता और

सभी प्रकार के अतिवाद के खिलाफ उठ खड़े होने और आवाज उठाने का समय आ गया है।

धर्मांध तत्वों और ऐसी मानसिकता बनाने में सहयोग करनेवाले लोगों को किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए। यह भारत और दुनियाभर के मुसलमानों के लिए भी मूल कारण को समझने और कट्टर रूपों व सोचों के खिलाफ उठने का समय है। इनमें कुछ धाराएं ऐसी हैं, जिन्हें वैश्विक शक्तियों के इशारे पर बनाया गया है और उन्हें विभिन्न देशों में निर्यात किया गया है। चरमपंथी विचारधारा का पालन करने वाले एक छोटे से वर्ग के लिए मुस्लिम समुदाय ने पर्याप्त कीमत चुकायी है। उसकी धार्मिकता पर भी इससे नकारात्मक असर पड़ा है। इसके साथ ही समूचा समुदाय आज अन्य समुदायों के सामने सवालों से घिर गया है। ऐसी शिक्षण सामग्री और ऐसे संस्थानों के कामकाज की समीक्षा करने का भी समय है, जो अतिवाद का प्रचार कर रहे हैं तथा कट्टर मानसिकता पैदा कर रहे हैं।

भारतीय मुसलमान बहुत ही विविधता भरे बहुसांस्कृतिक समाज में पैदा होने के लिए भाग्यशाली हैं, जो दूसरों के विश्वास और करुणा एवं आवास का सम्मान करने के मूल्यों को सिखाता है। असहिष्णुता या उग्रवाद की इसमें कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। दुर्भाग्य से, देश में सांप्रदायिक माहौल में खतरनाक वृद्धि हो रही है, जो न तो लोकतंत्र के लिए और न ही अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत है तथा निश्चित रूप से तेजी से बढ़ती वैश्विक शक्ति के रूप में भारत में इसका कोई स्थान नहीं है। सत्ताधारी वर्ग को इस गंभीर चुनौती का तत्काल संज्ञान लेना चाहिए। समानता, समावेश और विविधता के उभरते वैश्विक दर्शन तथा बहुसंस्कृतिवाद के मूल्यों और समझ के साथ भारतीय मुस्लिम समुदाय विश्व के मुसलमानों को रास्ता दिखा सकता है एवं अपने लिए समृद्ध लाभांश प्राप्त कर सकता है। समुदाय को आधुनिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करना होगा ताकि तेजी से उभरते आर्थिक अवसरों का लाभ उठा सके तथा राष्ट्रीय लोकाचार एवं सामान्य सांस्कृतिक मूल्यों की बेहतर समझ विकसित हो सके जिससे धारणाओं में सकारात्मक बदलाव होने के साथ-साथ शांति और सामान्य प्रगति के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

बढ़ाने होंगे रोजगार के अवसर

जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रालयों एवं विभागों में डेढ़ साल के भीतर 10 लाख नियुक्ति का निर्देश दिया है। दिसंबर, 2021 में संसद में बताया गया कि केंद्र सरकार के विभागों में एक मार्च, 2020 तक 8.72 लाख पद खाली हैं। अधिकांश पद रक्षा, गृह, डाक, रेलवे व राजस्व विभाग से संबंधित हैं। बड़ी संख्या में युवाओं की पहली पसंद सरकारी नौकरी होती है। ऐसे में केंद्र सरकार द्वारा नौकरियों की घोषणा युवाओं के लिए बड़ा राहतकारी फैसला है। विभिन्न विभागों में खाली पदों के भरे जाने से बड़ी संख्या में युवाओं को रोजगार मिलेगा और सरकार की प्रशासनिक क्षमता बढ़ेगी लेकिन केवल सरकारी नौकरियों द्वारा ही रोजगार की चुनौतियों का सामना नहीं हो सकेगा। पिछले पांच-छह वर्षों से बेरोजगारी ऊंचे स्तर पर है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय की रिपोर्ट के मुताबिक 2017-18 में बेरोजगारी चार दशक के ऊंचे स्तर पर रही।

कोरोना काल में सरकार ने उद्योग-कारोबार से घटते रोजगार को बचाने के लिए अनेक पहल की। साथ ही स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष वित्तीय योजनाएं शुरू हुईं। वर्ष 2020 में आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया अभियान से अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के साथ-साथ आमदनी, मांग, उत्पादन और उपभोग में वृद्धि से रोजगार की चुनौती कम करने की कोशिश की। फिर भी, सख्त लॉकडाउन से उपजी बेरोजगारी का असर अभी बना हुआ है। अब रूस-यूक्रेन युद्ध से उद्योग-व्यापार में मंदी की चिंता बढ़ रही है। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी की रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल, 2022 में देश में बेरोजगारी दर बढ़कर 7.83 फीसदी हो गयी और मई, 2022 में यह घटकर 7.12 फीसदी पर रही। जनवरी से मार्च 2022 की अवधि पर आधारित सावधिक श्रम शक्ति सर्वे (पीएलएफएस) की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि रोजगार सृजन की स्थिति सुधारना जरूरी है। साथ ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में श्रमिकों की तादाद भी बढ़ानी होगी।

वर्ष 1991 से उदारीकरण शुरू होने के करीब तीन दशक बाद अब निजी क्षेत्र रोजगार के मामले में सरकारी क्षेत्र से बहुत आगे हैं। निजी क्षेत्र में स्वरोजगार, उद्यमिता और स्टार्टअप में रोजगार के अवसर बन रहे हैं। वित्त मंत्रालय की मई, 2022 की बुलेटिन के मुताबिक, वित्त वर्ष 2021-22 में कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) के सब्सक्राइबर्स में रिकॉर्ड 1.2 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। देश में अस्थायी और ठेके पर काम करनेवाले कामगारों (गिग वर्कफोर्स) की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्तमान में करीब 77 लाख गिग वर्क फोर्स है। इसकी संख्या 2029-30 तक 2.35 करोड़ होगी लेकिन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या बिना प्लेटफॉर्म खानपान पहुंचाने वाले, कैब सेवाएं देने वाले, अन्य सर्विस व मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में गिग वर्कर्स के सामने सामाजिक सुरक्षा की बड़ी चिंताएं हैं। इन क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर सृजित करने के साथ-साथ नयी पीढ़ी को तैयार करने की रणनीति पर ध्यान देना होगा।

अब देश और दुनिया में परंपरागत रोजगारों के समक्ष चुनौतियां बढ़ गयी हैं और डिजिटल रोजगार छलांग लगाकर बढ़ते हुए दिखायी दे रहे हैं। कोविड-19 ने नये डिजिटल अवसर पैदा किये हैं, क्योंकि ज्यादातर कारोबारी गतिविधियां अब ऑनलाइन हो गयी हैं। वर्क फ्रॉम होम करने की प्रवृत्ति को व्यापक तौर पर स्वीकार्यता से आउटसोर्सिंग को बढ़ावा मिला है। स्पष्ट है कि ऑटोमेशन, रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के चलते जहां कई क्षेत्रों में रोजगार कम हो रहे हैं वहीं डिजिटल अर्थव्यवस्था में रोजगार बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि 2025 तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, ऑटोमेशन और डेटा साइंस जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों में प्रतिभा की मांग, प्रतिभा आपूर्ति की तुलना में 15 से 20 गुना अधिक हो सकती हैं। रोजगार के लिए लगातार नये-नये स्किल्स सीखना जरूरी होता जा रहा है। इस समय कोविड-19 और यूक्रेन युद्ध की वजह से पैदा हुए रोजगार संकट को दूर करने के लिए सरकार को नये सिरे से सोचने की जरूरत है। साल 1930 की महाआर्थिक मंदी के समय अर्थशास्त्री कींस ने मंदी का अर्थशास्त्र प्रस्तुत करते हुए लोक निर्माण कार्यों को रोजगार एवं आय को बढ़ाने का महत्वपूर्ण आधार बताया था। 1933 से 1938 के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट द्वारा चलाये गये इतिहास प्रसिद्ध न्यू डील कार्यक्रम का मकसद भी आर्थिक मंदी के संकट में लोक निर्माण परियोजनाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार देना था। रोजगार चुनौतियों के मद्देनजर राष्ट्रीय एवं स्थानीय दोनों ही स्तरों पर लोक निर्माण कार्यक्रम से रोजगार बढ़ाना जरूरी हो गया है। जिस तरह गांवों में मनरेगा रोजगार का प्रमुख माध्यम बन गया है, उसी तरह शहरी बेरोजगारों के लिए भी योजना की जरूरत है। हम उम्मीद करें कि केंद्र सरकार अपनी घोषणा के अनुरूप आगामी डेढ़ वर्ष में 10 लाख नयी नौकरियों के मौके युवाओं की मुट्ठियों में सौंपने में कामयाब होगी। हम उम्मीद करें कि केंद्र सरकार की तरह राज्यों में भी राज्यस्तरीय नयी नौकरियों के लिए भर्ती का बड़ा अभियान चलाया जायेगा। सरकार को मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर में रोजगार बढ़ाने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ना चाहिए। इससे नयी पीढ़ी के चेहरे पर मुस्कुराहट आ सकेगी। रोजगार अवसरों के बढ़ने से अर्थव्यवस्था में नयी मांग का निर्माण होगा। इससे अर्थव्यवस्था तेज गति से आगे बढ़ती हुई दिखाई देगी।

ये पांच फूड्स खून में बढ़ायेंगे प्लेटलेट्स

मानसून सीजन जारी है और देश के कई राज्यों को भारी बारिश का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मौसम में डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी खतरनाक और जानलेवा बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। कई शहरों में डेंगू-मलेरिया के मामले बढ़ने लगे हैं। मच्छरों से होने वाले डेंगू बुखार के लिए तुरंत इलाज की जरूरत होती है। डेंगू बुखार के लक्षणों में सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, उल्टी, थकान आदि शामिल हैं, जिन्हें दवाओं के जरिए ठीक किया जा सकता है लेकिन प्लेटलेट्स कम कम होने के लक्षण को बिल्कुल भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। कई बार स्थिति गंभीर होने पर प्लेटलेट काउंट में अचानक गिरावट आ सकती है। डेंगू के मरीजों में इसकी कमी की वजह से मरीज की मौत हो सकती है। इसका कम या ज्यादा होना यह तय करता है कि कोई व्यक्ति कितना स्वस्थ हो सकता है। प्लेटलेट रक्त कोशिकाएं हैं जो आपके रक्त को थक्का बनाने में मदद करती हैं। जब इसकी कमी होती है, तो आपको थकान, आसानी से चोट लगने और मसूड़ों से खून आने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। मेडिकल भाषा में इसे थ्रोम्बोसाइटोपेनिया भी कहा जाता है। प्लेटलेट्स बढ़ाने के लिए आपको इन पांच चीजों का सेवन करना चाहिए।

1 — पनीर

एक रिपोर्ट के अनुसार, विटामिन बी-12 रक्त कोशिकाओं को स्वस्थ रखने में मदद करता है। विटामिन बी-12 नॉन-वेजिटेरियन फूड्स में ज्यादा पाया जाता है। इसके लिए आपको ओनी डाइट में कलेजी, बड़ी सीप और अंडे शामिल करने चाहिए। हालांकि दूध और पनीर जैसे डेयरी उत्पादों में भी विटामिन बी-12 पाया जाता है।

2 — राजमा

फोलेट एक बी विटामिन है, जो खून की कोशिकाओं के लिए जरूरी है। यह खाने-पीने की कई चीजों में पाया जाता है। इसे फोलिक एसिड के रूप में भी जाना जाता है। इसके लिए आप मूंगफली, राजमा, संतरा, संतरे का रस आदि चीजों का सेवन बढ़ा सकते हैं।

3 — टमाटर

विटामिन सी आपके प्लेटलेट्स बढ़ाने काम करता है। यह आपको आयरन को अवशोषित करने में भी मदद करता है, जिससे प्लेटलेट काउंट बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि विटामिन सी सप्लीमेंट लेने वाले रोगियों में प्लेटलेट काउंट बढ़ गया था। इसके लिए आपको आम, अनानास, ब्रोकोली, हरी या लाल शिमला मिर्च, टमाटर और फूलगोभी का सेवन बढ़ा देना चाहिए।

4 — दाल

आयरन आपके शरीर की स्वस्थ रक्त कोशिकाओं के उत्पादन के लिए जरूरी है। साल 2012 के एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि आयरन ने एनीमिया वाले मरीजों में प्लेटलेट काउंट को बढ़ा दिया था। इसके लिए आप कद्दू के बीज, मसूर की दाल, मांस और फलियों का सेवन कर सकते हैं।

5 — पपीता

साल 2013 के एक अध्ययन में पाया गया कि पपीते के पत्ते रस से जानवरों में प्लेटलेट्स काउंट बढ़ गया था। जबकि मनुष्यों पर इसके प्रभाव का परीक्षण करने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है। हालांकि कम मात्रा में इसका सेवन करने से कोई समस्या नहीं होगी। डेंगू बुखार के रोगियों के लिए एक अन्य अध्ययन में बताया गया है कि पपीते के पत्ते का रस प्लेटलेट काउंट बढ़ा सकता है।

हंसना मना है

टीचर - बच्चों, वादा करो कि कभी शराब-सिगरेट नहीं पिओगे...! बच्चे - नहीं पिएंगे...! टीचर - कभी लड़कियों का पीछा नहीं करोगे...! बच्चे - नहीं करेंगे...! टीचर - लड़कियों से दोस्ती नहीं करोगे...! बच्चे - नहीं करेंगे...! टीचर - वतन के लिए जान दे दोगे...! बच्चे - दे देंगे सर, ऐसी जिंदगी का और करेंगे भी क्या...?

पप्पू को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला...! भिखारी -भगवान के नाम पर कुछ दे दो साहब, चार दिन से कुछ नहीं खाया...! पप्पू - 500 का नोट निकालते हुए बोला 400 खुले हैं...! भिखारी - हां जी साहब हैं...! पप्पू - तो उससे कुछ लेकर खा ले...!

एक शराबी अपने दोस्त से आज तब तक पीएंगे जब तक, वो सामने वाले तीन पेड़ छह नहीं दिखने लगें...! बगल से जा रहा व्यक्ति बोला- बस करो कमीनो... सामने एक ही पेड़ है...! अब क्या जंगल बनाओगे...?

बहू-मां जी, ये अभी तक नहीं आए, कहीं किसी दूसरी लड़की के साथ...! सास - अरे कलमुंही, तू हमेशा उल्टा क्यों सोचती है...? ऐसा भी तो हो सकता है कि किसी ट्रक के नीचे आ गया हो...!

पत्नी (जज से) - मुझे अब इनसे कुछ और नहीं लेना...! बस मुझे ये उसी हाल में छोड़ दें, जिस हाल में मैं इनको मिली थी...! जज - आप किस हाल में मिली थी...? पत्नी - विधवा...!

कहानी — विदेशी की मातृभाषा

एक बार अकबर के दरबार में एक विदेशी आया। उसने बादशाह अकबर के सामने एक चुनौती रखी। आप लोग मेरी मातृभाषा बताइए या फिर स्वीकार कर लीजिए कि आपके यहां सब मूर्ख हैं। दरबारियों ने उससे अलग-अलग भाषाओं में प्रश्न किए। हर भाषा में उसने सही उत्तर दिए। वह हर भाषा इतनी अच्छी तरह बोलता था कि जैसे वही उसकी मातृभाषा हो। इसलिए कोई भी दरबारी उसकी मातृभाषा का पता नहीं लगा सका। अंत में उसने अकबर बादशाह से कहा कि मैं अपनी मातृभाषा मालूम करने के लिए आपको सात दिन का समय देता हूं। कहिए स्वीकार है? अकबर ने बीरबल की ओर देखा। बीरबल ने इशारे से हामी भर दी। अकबर ने विदेशी से कहा, हमें आपकी बात स्वीकार है। विदेशी एक धर्मशाला में ठहरा दिया गया। रात को जब वह सो गया तो बीरबल वहां पहुंचे। बीरबल ने एक तिनका लेकर विदेशी के कान में घुमाया। विदेशी ने सिर झटका और कान पर हाथ फेरा। फिर वह करवट बदलकर सो गया। बीरबल ने उसके दूसरे कान में तिनका घुमाया। विदेशी घबराकर उठ बैठा और झल्लाते हुए बोला, अरे! कोण छे, मने ऊधमां हेरान करे दे? (कौन है रे? मुझे नींद में परेशान करता है)। विदेशी के कान में तिनका घुमाकर बीरबल छिप गये थे। इसलिए विदेशी उन्हें देख नहीं सका। वह फिर गहरी नींद में सो गया। बीरबल वहां से सीधे अपने घर आ गये। सातवें दिन विदेशी दरबार में हाजिर हुआ। बीरबल ने अलग-अलग भाषाओं में उससे बात की। फिर उसने अकबर से कहा बादशाह सलामत! इन महाशय की मातृभाषा गुजराती है। यह सुनकर विदेशी आश्चर्य में पड़ गया। आज पहली बार कोई उसकी मातृभाषा का सही पता लगा पाया था। उसने बीरबल की भूरि-भूरि प्रशंसा की और दरबार से जाने से पहले बोला, धन्य है भारतभूमि! जहां बीरबल जैसे बुद्धिमान बसते हैं। उसके जाने के बाद अकबर ने पूछा,बीरबल! इतना कठिन कार्य तुमने किया कैसे? जहांपनाह! बीरबल बोले, जब मनुष्य पर दुख पड़ता है या फिर वह अचानक नींद से जागता है, तब वह अपनी मातृभाषा में ही बोलता है। इतना कहकर बीरबल ने रात की सारी घटना कह सुनायी। सभी ने बीरबल की प्रशंसा की। अकबर ने बीरबल को सहर्ष अपने गले का हार भेंट में देकर उसका सम्मान किया।

शिक्षा : जब आप चाहते हैं कि लोग आपको सच बताएं तो यह जरूरी है कि उन्हें बिना चौकसी के पकड़ना सच को सामने लाता है। हमें अपने बारे में अपने आस-पास के लोगों से कोई बात नहीं छिपानी चाहिए। अगर हम ऐसा करते हैं तो बिल्ली देर सवेर बैग से बाहर आ ही जाती है।

5 अंतर खोजें

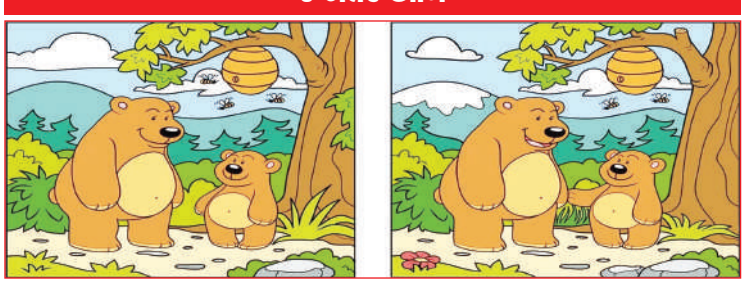

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — आज ग्रह स्थिति आपकी सोच को कुछ भ्रमित कर सकती है और आप अनिश्चित, स्वच्छंद और जिद्दी हो सकते हैं। आप शत्रु की कूटनीति के शिकार हो सकते हैं।

वृषभ — आज नये कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी, जिससे आपको कुछ नया सिखने को मिलेगा। आपका आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा और भी अधिक मजबूत होगा।

मिथुन — आज आप उत्साह से लबरेज रहेंगे और दूसरों को नेतृत्व प्रदान करने के इच्छुक होंगे। बातचीत में संयत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं।

कर्क — अचानक धन लाभ या किसी योजना से आपको बड़ा फायदा हो सकता है। आपके ज्यादातर अधूरे काम पूरे हो सकते हैं। आज लिए गए फैसले लंबे समय तक अच्छा असर दिखाएंगे।

सिंह — आज स्थिति कुछ खराब रह सकती है। स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है, फलस्वरूप कामों को सही ढंग से करने में आप स्वयं को थका हुआ महसूस कर सकते हैं।

कन्या — आज आप धार्मिक कार्यों में रूचि लेंगे। नए लोगों से आपका संपर्क होगा। किसी काम के लिए योजना बनाने और फैसले लेने के लिए दिन शुभ है।

तुला — दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफी वक्त देंगे। लंबे समय से कामकाज का दबाव आपके वैवाहिक जीवन के लिए कठिनाई खड़ा कर रहा है।

वृश्चिक — चंद्रमा की स्थिति आपकी राशि के लिए अच्छी हो सकती है। कम से कम समय में बहुत से काम निपटाने की कोशिश करेंगे। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।

धनु — आप सभी गतिविधियों में चमकेंगे और इसे चमकाने में भाग्य समर्थन करेगा। नौकरीपेशा जातकों के लिए कोई विशेष कार्य सफलता प्रदान कर सकता हैं।

मकर — जिम्मेदारियों को अच्छी तरह निभायेंगे। मित्रों से निजी समस्याओं को शेयर करने से आपको बचना चाहिए। गलत बयान से आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है।

कुम्भ — आज नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य पूर्ण होने के आसार हैं। भाग्यवृद्धि संबंधी अवसर प्राप्त होंगे। पुरानी समस्या या दौड़-भाग खत्म होने के योग हैं।

मीन — आज आप किसी भी तरह अपना काम पूरा कर ही लेंगे और लोगों से भी आपको मदद मिलती रहेगी। कोर्ट-कचहरी से जुड़े काम समय से पूरे होने के योग बन रहे हैं।

लाइगर में विजय देवरकोंडा संग बोल्ड लुक में नजर आएंगी अनन्या पांडे

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड में भी अपनी एक्टिंग का जादू चलाने के लिए तैयार हैं। वह पिछले लंबे वक्त से अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म लाइगर को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बज बना हुआ है। धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही इस फिल्म की चर्चा काफी समय से हो रही है। ऐसे में

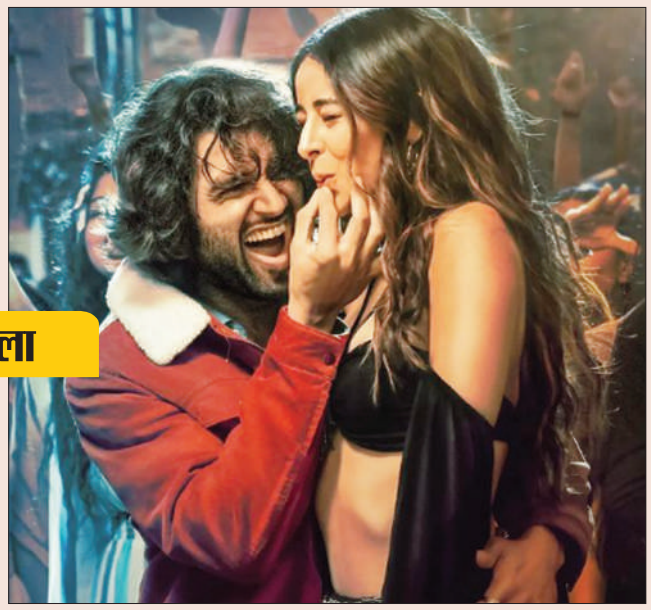

दर्शकों के बीच भी इस फिल्म को लेकर काफी उत्सुकता दिखाई दे रही है। विजय देवरकोंडा की इस फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे भी लीड रोल में नजर आने वाली हैं। एक तरफ जहां विजय इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ अनन्या पांडे भी लाइगर से साउथ इंडस्ट्री में कदम रखने वाली हैं। विजय देवरकोंडा और अनन्या पांडे फिल्म लाइगर में पहली बार स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। अब फिल्म से अनन्या पांडे का लुक सामने आ चुका है। छह जुलाई को निर्माता करण जौहर और विजय देवरकोंडा ने फिल्म के एक नए गाने अकड़ी पकड़ी का पहला पोस्टर जारी किया है। इस पोस्टर के साथ ही अकड़ी पकड़ी के टीजर और रिलीज डेट का खुलासा भी हो गया है। गाने का टीजर आज रिलीज होगा, वहीं फिल्म का पूरा गाना 11 जुलाई को जारी किया जाएगा। पोस्टर देखने के बाद यकीन हो चला है कि इस फिल्म में अनन्या, विजय के साथ बेहद बोल्ड लुक में दिखाई देंगी। इस पोस्टर में विजय अनन्या को सीटी बजाना सिखाते नजर आ रहे हैं। मेकर्स से उम्मीद है कि वह जल्द ही फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज कर देंगे। बता दें कि लाइगर 25 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को हिन्दी और तमिल भाषाओं में बनाया गया है जबकि इसे इन दोनों भाषाओं के अलावा कन्नड़, तेलुगु और मलयालम में भी रिलीज किया जाएगा। इसके अलावा अनन्या पांडे की दो और फिल्मों की शूटिंग जल्द शुरू होगी।

करीना कपूर के साथ रोमांस करते नजर आएंगे प्रभास

अपने मैजिकल चार्म से दुनियाभर को दीवाना बना चुके प्रभास पैन इंडिया स्टार बन चुके हैं। हर ऐक्ट्रेस उनके साथ काम करने को लेकर बेताब है। प्रभास की साउथ के साथ ही बॉलीवुड में भी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। हाल ही में प्रभास ने सिनेमा में अपने 20 साल पूरे किए हैं। इस मौके पर फैंस के साथ-साथ मनोरंजन जगत के सितारों ने भी खुशी जाहिर कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। एक्टर इन दिनों काफी सारे प्रोजेक्ट पर एक साथ काम कर रहे हैं। इस बीच प्रभास की फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई हैं। जिसे सुनकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं खबर है कि फिल्म स्पिरिट में सुपरस्टार प्रभास के साथ निर्माताओं ने करीना कपूर खान का नाम फाइनल किया है। फिल्म को कबीर सिंह फेम डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा डयरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में प्रभास और करीना की फ्रेश जोड़ी देखने को फैंस काफी बेताब हैं। जानकारी के मुताबिक फिल्म के लिए करीना ने 17 करोड़ रुपये की मांग की है। वहीं फिल्म का बजट 300 करोड़ के आस-पास होने वाला है। प्रभास की इस फिल्म के लिए कई एक्ट्रेस के नाम सामने आए थे। इस लिस्ट में सबसे ऊपर कियारा आडवाणी और रश्मिका मंदाना का नाम शामिल था। संदीप जहां कियारा के साथ कबीर सिंह में काम कर चुके हैं, तो वे वहीं रश्मिका के साथ एनिमल में काम कर रहे हैं। ऐसे में डायरेक्टर ऐसी अदाकारा को फिल्म में लेने चाहते थे, जिसके साथ प्रभास और उन्होंने पहले काम न किया हो, ताकि दर्शकों को सिल्वर स्क्रीन पर एक फ्रेश जोड़ी देखने को मिल सके।

बॉलीवुड | मन की बात

काली मंत्र पढ़कर अनुपम खेर ने लीना पर साधा निशाना

डायरेक्टर लीना मणिमेकलई अपनी फिल्म काली को लेकर विवादों में बनी हुई है। सोशल मीडिया पर लीना को खूब खरी-खरी सुनाई जा रही है। साथ ही तमाम राजनितिक पार्टियां भी उनके खिलाफ खड़ी हो गई हैं। ऐसे में अब एक्टर अनुपम खेर ने एक दिलचस्प ट्वीट किया है। अनुपम खेर ने ट्विटर पर मां काली की एक फोटो शेयर की है। इसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा शिमला में एक बहुत ही प्रसिद्ध मां काली का मंदिर है कालीबाड़ी। बचपन में कई बार जाता था। बूंदी के प्रसाद और मीठे चरणामृत के लिये। मंदिर के बाहर एक साधु/फकीर टाइप बार बार दोहराता था। जय मां कलकत्ते वाली, तेरा श्राप ना जाये खाली... आजकल उस साधु और मंदिर की बहुत याद आ रही है। अनुपम के इस ट्वीट के बाद माना जा रहा है कि वह लीना और उनकी फिल्म की ओर इशारा कर रहे हैं। लीना ने अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म काली के पोस्टर में मां काली के भेष में बैठी महिला को सिगरेट पीते दिखाया था। फोटो में मां काली के हाथ में दरांती, त्रिशूल झंडा भी था। इस पोस्टर के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर हंगामा खड़ा हो गया था। लीना को गिरफ्तार करने की मांग सोशल मीडिया पर उठी थी। विवाद बढ़ने के बाद ट्विटर ने फिल्म के पोस्टर को हटा दिया। दिल्ली और यूपी में लीना के खिलाफ मामले भी दर्ज करवाए गए हैं। इस बीच लीना मणिमेकलई का कहना है कि वह सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं। उन्होंने एक ट्वीट कर कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा है जैसे पूरा देश एक नफरत की मशीन बन गया है। लोग मेरे साथ ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे मैंने कोई बहुत बड़ा जुर्म किया है।

इस प्राचीन मंदिर में भविष्य बताते हैं हनुमान, यहां से गुजरने वाली ट्रेनों की अपने आप कम हो जाती है रफ्तार

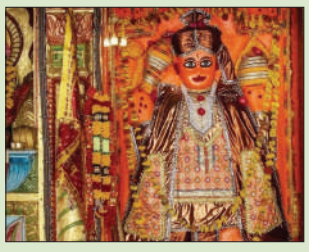

हमारे देश में हजारों मंदिर मौजूद है। इनमें से कुछ मंदिरों को चमत्कारी माना जाता है। इन्हीं में से एक मंदिर मध्य प्रदेश के शाजापुर के बोलाई गांव में स्थित है। इस मंदिर को 'सिद्धवीर खेड़ापति हनुमान मंदिर' के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर को लेकर कहा जाता है कि यहां आने वाले भक्तों का हनुमान जी भविष्य बताते हैं। यही नहीं इसके पास से गुजरने वाली रेल लाइन पर जब भी कोई ट्रेन आती है उसकी रफ्तार अपने आप ही कम हो जाती है। ऐसा माना जाता है कि ये हनुमान जी का ये मंदिर 300 साल पुराना है। यहां पर हनुमानजी भगवान गणेशजी के साथ विराजमान हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मंदिर का निर्माण ठा। देवीसिंह ने करवाया था। साल 1959 में संत कमलनयन त्यागी ने अपने गृहस्थ जीवन को त्याग इस स्थान को अपनी तपोभूमि बनाया। जहां उन्होंने 24 साल तक कड़ी तपस्या की और सिद्धियां प्राप्त की थी। इसलिए यह मंदिर बहुत ही सिद्ध मंदिर माना जाता है। बता दें कि ये हनुमान मंदिर रतलाम-भोपाल रेलवे लाइन के बीच बोलाई स्टेशन से करीब एक किलोमीटर दूर है। ऐसा कहा जाता है कि इस मंदिर के सामने से निकलने से पहले ट्रेन की स्पीड कम हो जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई साल पहले रेलवे ट्रैक पर दो मालगाड़ी आपस में टकरा गई थी। उसके बाद में दोनों गाडि?ों के पायलट ने बताया था कि उन्हें घटना के कुछ देर पहले ही इस अनहोनी का पूर्वाभास हो गया था। उन्हें ऐसा लगा था मानों कोई उन्हें ट्रेन की रफ्तार कम करने के लिए कह रहा हो। लेकिन उन्होंने रफ्तार को कम नहीं किया और इस कारण ट्रेन आपस में टकरा गई। तभी से यहां से गुजरने वाली ट्रेनों की रफ्तार कम की जाने लगी। ऐसा कहा जाता है कि यदि कोई ड्राइवर इसे नजरअंदाज करता है तो ट्रेन की स्पीड अपने आप ही कम हो जाती है।

अजब-गजब | भारत की इस सड़क पर होती हैं अजीब घटनाएं

अपने आप बदल जाती है कार की स्पीड, मोबाइल में दिखने लगता है अलग समय

दुनिया में कई ऐसी रहस्यमयी चीजें हैं, जिनके बारे में जानकर हर कोई हैरान रह जाता है। इन दिनों रांची टाटा ह॥ पर स्थित तैमार घाटी इन दिनों सुर्खियों में हैं। यहां पर लोगों के साथ रहस्यमयी चीजें हो रही हैं। इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों ने ऐसी चीजें अनुभव की हैं। यहां से गुजरने पर लोगों के मोबाइल में टाइम चेंज हो जाता है। इसे लेकर विशेषज्ञ भी हैरत में हैं और इसकी जांच कर रहे हैं। तैमारा घाटी में गुजरने वाले कई लोगों को अलग-अलग अनुभव हुए हैं। कुछ लोगों का कहना है कि गाड़ी की गति कुछ और होती है और स्पीडोमीटर कुछ और बताता है। कुछ लोगों का कहना है कि कभी अचानक गाड़ी का क्लच प्लेट जाम हो जाता है और गाड़ी रूक जाती है। फिर थोड़ी देर में गाड़ी खुद-ब-खुद स्टार्ट भी हो जाती है।

रांची विश्वविद्यालय के भूगर्भ विभाग के व्याख्याता डॉ नितिश प्रियदर्शी ने इस बारे में बताया कि उन्हें भी इस तरह की विचित्र घटना की जानकारी मिली। उन्होंने बताया कि एक दिन उनके एक दोस्त ने ऐसी ही घटना के बारे में बताया। उनके दोस्त ने बताया कि जब वह रांची-टाटा रोड में रामपुर से बुंडू रोड से गुजर रहे थे तो उनको एक फोन आया। उस वक्त वे कार चला रहे थे। यह घटना 11 जनवरी 2022 की है। उनका फोन अचानक बंद हो गया। जब उन्होंने दोबारा फोन को ऑन किया तो वे चौंक गए क्योंकि फोन में तारीख अगस्त 27, 2023 आ रही थी और समय भी बदला हुआ था। यानी डढ़ साल के आगे के समय से ये फोन आया। इस तरह की कई घटनाएं उनके विभिन्न मित्रों के साथ भी हुई। इसके साथ ही डॉ. प्रियदर्शी ने बताया कि ये भी पता चला कि जहां पर ये घटना हुई, वहां की स्ट्रीट लाइट हमेशा कांपती है, जबकि इन लोगों की कार की स्पीड भी ज्यादा नहीं थी। उनका कहना है कि क्या वहां कोई चुम्बकीय विकिरण है, जो मोबाइल को प्रभावित करती है या फिर कोई काल और समय का मामला है? इसे ऐसे भी समझा जा सकता है कि जब कोई नए जगह पर गए तो वहां लगेगा कि जैसे इस स्थान पर पहले भी आ चुके हैं। कई बार ऐसा होता है कि जब किसी नये व्यक्ति से कोई मिलते हैं तो यह महसूस होता है कि पहले भी उससे मुलाकात हो चुकी है।

पिकअप की टक्कर से तीन महिलाओं की मौत, मचा कोहराम

» गन्नौर से सहसवान जा रही थी पिकअप

» सड़क पार करते समय चपेट में आईं महिलाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बदायूं। बदायूं-मेरठ हाइवे पर आज सुबह अनियंत्रित पिकअप ने तीन महिलाओं को रौंद दिया। हादसे में तीनों महिलाओं की मौत हो गई। घटना दहगवां के उस्मानपुर गांव में हुआ। यहां सत्संग में भाग लेने पहुंचीं महिलाएं शौच के लिए सड़क पार रही थीं इसी दौरान हादसा हो गया। पिकअप गुन्नौर से सहसवान की ओर जा रही थी।

बताया जा रहा है कि दहगवां के उस्मानपुर गांव में हाइवे किनारे ही भोले बाबा का सत्संग चल रहा है। इसमें काफी संख्या में गांवों के लोग जुट रहे हैं। सत्संग में शामिल होने बुलंदशहर इलाके की महिलाएं भी उस्मानपुर गांव पहुंची थीं। आज सुबह तीन महिलाएं शौच के लिए निकली थीं। इसी दौरान सड़क पार करते समय अनियंत्रित पिकअप ने तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। राहगीरों एवं जरीफनगर पुलिस की मदद से तीनों को सीएचसी दहगवां एवं सहसवान सीएचसी लाया गया। यहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। एक साथ तीन मौतों से पूरे सत्संग में कोहराम मच गया। लोगों ने तत्काल इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मरने वाली महिलाओं की पहचान शकुंतला देवी (45) पत्नी मीलाल ग्राम औरंगाबाद कसेर कलां थाना डिवाई, सरोज (43) पत्नी राजू निवासी कसेर कलां थाना डिवाई, रामवती (55) पत्नी ओम प्रकाश ग्राम नंदोई थाना राजघाट जिला बुलंदशहर के रूप में हुई है।

गंगनहर में गिरी स्कार्पियो, एक युवक का शव बरामद

मेरठ। रोहटा थाना क्षेत्र के पुठखास पुल व भोले की झाल के बीच में चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर गुरुवार शाम को गंगनहर में गिरी गाड़ी को आज सुबह निकाल लिया गया है। इस गाड़ी में सवार दो युवकों में से एक युवक के शव को कार से भीतर से बरामद कर लिया गया है। वहीं लापता दूसरे युवक की तलाश जारी है। गुड़गांव निवासी देवराज पुत्र महावीर की मानेसर के सैक्टर-सात में नटबोल्ट की कंपनी है। वह गुरुवार को गुड़गांव निवासी ओमप्रकाश पुत्र शिवनारायण, धर्मेंद्र पुत्र गुजराम व बिहारी निवासी निरंजन के साथ कार में सवार होकर हरिद्वार में किसी काम से जा रहे थे। जब वह शाम को भोले की झाल और पूठखास पुल के बीच में चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर पहुंचे तभी कार अनियंत्रित होकर क्रैश बैरियर को तोड़ते हुए गंगनहर में जा गिरी। वहीं, कार निरंजन चला रहा था। इसके बाद धर्मेंद्र कार का शीशा खोलकर व ओमप्रकाश पीछे के शीशे को तोड़कर बाहर आ गए लेकिन उन दोनों का पता नहीं चला। गाड़ी में युवक देवराज का शव मिल गया है लेकिन दूसरे युवक निरंजन का अभी पता नहीं चल पाया है।

भाजपा के पूर्व विधायक रूप चौधरी को तीन साल की सजा

» पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने और वर्दी फाड़ने का है मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बागपत। ट्रकों की चेकिंग करने पर करीब 21 साल पहले पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट करने और वर्दी फाड़ने के मामले में अदालत ने भाजपा के पूर्व विधायक रूप चौधरी को तीन साल की सजा सुनाई है। पूर्व विधायक को सजा सुनाए जाने के बाद अदालत से जमानत भी मिल गई।

विशेष लोक अभियोजक अजय कुमार धामा के अनुसार 17 अगस्त 2001 को खेकड़ा थाने में कांस्टेबल संजीव कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया था। बताया था कि उनकी अलीपुर पुलिस चौकी पर निगरानी ड्यूटी थी। वह कांस्टेबल धर्मवीर व सूरजपाल के साथ मिलकर ट्रकों की छत और डाले पर लटकी सवारियों को उतार रहे थे। करीब दो बजे दिल्ली की ओर से एक डीसीएम आ रही थी। उसके अंदर काफी लोग खड़े थे तो कुछ डाले पर लटके हुए थे। डीसीएम को रोककर सवारियां नीचे उतार रहे थे तभी खेकड़ा के तत्कालीन विधायक रूप चौधरी गाड़ी में आए। डीसीएम रोकने पर रूप चौधरी ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी और उनकी वर्दी फाड़ दी। कांस्टेबल सूरजपाल के साथ भी मारपीट की गई। पुलिस ने पूर्व विधायक के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। यह मामला सीजेएम प्रीति सिंह की अदालत में चल रहा था। अदालत ने इस मामले में पूर्व विधायक रूप चौधरी को दोषी मानते हुए तीन साल की सजा सुनाई और 8500 रुपये का अर्थदंड लगाया।

आरटीआई प्रयोगकर्ताओं की समस्या के समाधान की उठायी मांग

» मुख्य सूचना आयुक्त से मिला प्रतिनिधिमंडल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विगत कई वर्षों से देश भर के आरटीआई प्रयोगकर्ताओं के हितों की बात कर रही सामाजिक संस्था सूचना का अधिकार बचाओ अभियान के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सूचना आयुक्त भवेश कुमार सिंह से मुलाकात कर यूपी के आरटीआई प्रयोगकर्ताओं की समस्याओं के निराकरण की मांग उठाई।

संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरटीआई एक्टिविस्ट एवं पत्रकार तनवीर अहमद सिद्दीकी, जैद अहमद फारूकी, राम स्वरूप यादव, अशोक कुमार शुक्ला , देवेश मणि त्रिपाठी, मो. सफीर सिद्दीकी ने मुख्य सूचना आयुक्त भवेश कुमार सिंह से मुलाकात की और यूपी के आरटीआई प्रयोगकर्ताओं की अनेकों समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराने का अनुरोध किया। प्रतिनिधिमंडल ने 20 बिंदुओं की मांग उठाई। मांगों में आयोग की सुनवाइयों में जन सूचना अधिकारियों/ विभागों की तरफ से सरकारी खजाने से फीस लेकर आने वाले अधिवक्ताओं का सुनवाई कक्षों में प्रवेश प्रतिबंधित करने, आयोग परिसर के मुख्य स्थानों पर विशाखा समिति से संबंधित सूचना पट प्रदर्शित करने और अपीलों का निपटारा अधिकतम 45 दिनों में करने आदि शामिल हैं।

तो देश में चल रही दो विचारधाराओं की जंग!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजादी के सात दशक बाद भी सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक तौर पर भारत की स्थिति में कोई खास सुधार नहीं हुआ है। हमें पराधीनता से मुक्ति तो मिल गई है लेकिन खुद को सामाजिक और राजनैतिक जकड़न से मुक्त नहीं कर पाए हैं। ऐसे में सवाल उठता हैं कि आखिर कौन सा भारत बनाना चाहते थे और कौन सा बन रहा है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ. उत्कर्ष सिन्हा, डॉ. राकेश पाठक, चिंतक डॉ. सीपी राय और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की।

डॉ. उत्कर्ष सिन्हा ने कहा कि आजादी के बाद एक और संगठन का दस्तावेज तैयार हो रहा था, वह है नागपुर से संचालित राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ जिसको आजाद भारत के तिरंगे से परहेज था। संघ कहता है कि ये तीन रंग शोक के प्रतीक होते हैं। हमारा झंडा तो केसरिया पेशवाई ही होगा। इस वक्त भारत एक ऐसे मुकाम पर है जहां दो विचारधारा व दो दस्तावेजों की लड़ाई है।

डॉ. राकेश पाठक ने कहा जुमले अब किताबों में रह गए। आजादी के बाद से तिरंगा उन्हें स्वीकार नहीं है। कर्नाटक के एक मंत्री है वे कहते हैं कि भगवा ही राष्ट्रध्वज होगा। एक संविधान की किताब और दूसरी किताब नागपुर में लिखी गई। फिलहाल जो स्वप्न है उनका धर्म राष्ट्र बनाने का, तो वो उसकी ओर अग्रसर है। डॉ. सीपी राय ने कहा कि इस आठ साल में भूखमरी इतनी आ गई कि पांच किलो अनाज बांटना पड़ रहा है। आरएसएस की बात करें तो इतना जहरीला वातावरण बना दिया कि कह पाना मुश्किल है। लोकतंत्र में मूल जवाबदेही नेताओं की है। मगर वे नहीं निभा रहे और विपक्ष के नेता चुप बैठे हुए हैं।

दूल्हे का रंग देख चढ़ा दुल्हन का पारा, बैरंग लौटी बारात

» दो फेरों के बाद शादी से किया इंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इटावा। दूल्हे का रंग देख दुल्हन का पारा ऐसा चढ़ा कि उसने शादी से ही इंकार कर दिया। दुल्हन के इस कदम के बाद बारात बैरंग लौट गई। बताया जा रहा है कि दुल्हे का काला रंग देखकर दुल्हन भड़क उठी थी। हालांकि स्वजनों का कहना है कि जिस लड़के की तस्वीर वर पक्ष ने दिखायी थी वह लड़का नहीं था।

मामला इटावा के भर्थना इलाके के नगला बाग का है जहां पर नीतू का विवाह उसराहिर इलाके में जाफरपुर के रवि के साथ तय हुआ था। बारात बुधवार देर शाम अपने निर्धारित समय पर ग्राम नगला बाग पहुंच गई, जहां पर लड़की पक्ष वालों ने वर पक्ष का आदर सत्कार किया। वर पक्ष बारात लेकर नगला बाग पहुंचा, जहां शादी की रस्में बैंड-बाजों के साथ पूरी की गईं। जब दूल्हा फेरों के लिए मंडप में पहुंचा तो वधू को भी मंडप में लाया गया। इसके बाद दो फेरों के बाद लड़की ने अचानक शादी करने से इनकार कर दिया और मंडप से उठ कर चली गई। शादी से दुल्हन के इनकार करते ही वर पक्ष में हड़कंप मच गया। बारात में शामिल गांव के वृद्धजन सहित अन्य लोग दुल्हन को समझाने में जुट गए मगर दुल्हन नहीं मानी।

दुल्हन की मां ने बताया कि नीतू के लिए जिस लड़के की तस्वीर शादी से पहले भेजी गयी थी, वह लड़का नहीं था। दूल्हा कोई और लड़का था इसलिए नीतू ने शादी करने से इनकार कर दिया। इधर लड़के पक्ष की ओर से दूल्हा के पिता ने लड़की के पिता पर आरोप लगाते हुए थाना पुलिस को एक प्रार्थना पत्र सौंपा है और कहा कि बुधवार की रात शादी की सारी रस्म होने के बाद शादी करने से इनकार कर दिया जबकि शादी में दी हुई सोने-चांदी के आभूषण दुल्हन के पास ही रह गए।

एयरटेल की मनमानी पैसे जमा पर काट दिया उपभोक्ता का कनेक्शन

» शिकायत पर उपभोक्ता से कंपनी प्रतिनिधियों ने की बदतमीजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एयरटेल की ब्रांडबैंड सेवाओं से राजधानीवासी परेशान हैं। रोज नई-नई शिकायतें सामने आती रहती हैं। आज एयरटेल के एक उपभोक्ता को उस समय परेशानी उठानी पड़ी जब उसकी एयरटेल ब्रांडबैंड सेवा बाधित हो गईं और इस वजह से कामकाज ठप हो गया। एयरटेल कंपनी की ओर से यह लापरवाही तब की गई जब उपभोक्ता के द्वारा पहले से ही सेवा शुल्क जमा किया जा चुका है। शिकायत करने पर कंपनी प्रतिनिधियों द्वारा न केवल उपभोक्ता से बदतमीजी की गई बल्कि कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। उपभोक्ता का कहना है कि वह इस मामले को उपभोक्ता फोरम में उठाएगा।

गोमतीनगर निवासी उपभोक्ता सिद्धार्थ शर्मा का कहना है कि आज सुबह एयरटेल ने मेरा ब्रांडबैंड कनेक्शन काट दिया जबकि पैसे भी जमा हैं। सेवा शुल्क लिए जाने के बाद भी कनेक्शन क्यूं काटा गया, इस बारे में जब कंपनी के स्थानीय कर्मचारियों से पूछा तो वह इधर-उधर की बात कर कनेक्शन काट देने की बात कही। स्थानीय कार्यालय के मैनेजर अजीम, कर्मचारी जिशान, भरत आदि द्वारा भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला। जबकि एयरटेल के सारे मानको को ध्यान में रखते हुए बिल भी समय पर जमा किया जा रहा, बावजूद मेरे साथ इस तरह का व्यवहार किया गया।

रिटायरमेंट से दो महीने पहले अवनीश अवस्थी का बढ़ा कद

» गृह विभाग के साथ अपर मुख्य सचिव ऊर्जा की भी निभाएंगे जिम्मेदारी

» अवनीश पहले रह चुके हैं पावर कॉर्पोरेशन के एमडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी का कद और बढ़ गया है। रिटायरमेंट से दो महीने पहले अवनीश को एक और बड़ी जिम्मेदारी मिली है। शासन ने अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी को ऊर्जा का अतिरिक्त कार्यभार भी दे दिया है। अभी तक पावर कॉरपोरेशन के चेयरमैन एम देवराज प्रमुख सचिव ऊर्जा का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे थे। मगर अब अवनीश सारा कामकाज देखेंगे। इस बारे में नियुक्ति विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। रिटायरमेंट से करीब दो महीने पहले अवनीश अवस्थी को यह जिम्मेदारी दी गई है।

उनके पास मौजूदा समय गृह विभाग की पूरी जिम्मेदारी थी। अवनीश अवस्थी इससे पहले पावर कॉरपोरेशन के एमडी भी रह चुके हैं।

अखिलेश और मायावती दोनों ही सरकार में उनके पास यह जिम्मेदारी थी। हालांकि अखिलेश यादव ने अवनीश अवस्थी को हटाकर एपी मिश्रा को एमडी बनाया था। यह उस समय की सबसे बड़ी घटना थी, जिसमें किसी आईएएस को हटाकर इंजीनियर को एमडी की जिम्मेदारी दी गई हो। अवनीश अवस्थी 1987 बैच के आईएएस अधिकारी है।

विवाद के बाद लाए गए अवनीश

पावर कॉर्पोरेशन के सूत्रों की माने तो ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा से मौजूदा चेयरमैन एम देवराज का कुछ दिन पहले विवाद हो गया था। आलोक कुमार के जाने के बाद अपर मुख्य सचिव की जिम्मेदारी भी प्रमुख सचिव ऊर्जा ही देख रहे थे। अब उनके पावर को कम करने के लिए अवनीश अवस्थी को लाया गया है। दरअसल, पिछले दो महीने से अभियंता संघ भी मंत्री से लगातार एम देवराज की शिकायत कर रहा था। ऐसे में इसको इंजीनियरों के दबाव के तौर पर भी देखा जा सकता है।

35 हजार परिवारों को मिलेंगे सीएम आवास : केशव

» ग्रामीण के लिए 508.632 करोड़ का बजट आवंटित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि प्रदेश के 35534 परिवारों को मुख्यमंत्री आवास मिलेंगे। इसके लिए प्राकृतिक आपदा, कालाजार से प्रभावित लोगों के साथ ही अनुसूचित जनजातियों के लोगों को चिन्हित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 508.632 करोड़ का बजट स्वीकृत हुआ है। जिलों से मिले मांग पत्र के अनुसार उन्हें श्रेणीवार लक्ष्य का आवंटन कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री आवास योजना ग्रामीण के लिए प्राकृतिक आपदा, कालाजार, वनटांगिया, मुसहर, कोल, नट, चेरों, सहरिया थारू, पछईया लोहार, गढईया लोहार, बैगा (जनजाति) वर्ग, जेई व एईएस व कुष्ठ रोग से प्रभावित परिवार छत विहीन हैं, वे कच्चे और जर्जर आवासों में रहने को मजबूर हैं। ऐसे परिवारों को सरकार आवास उपलब्ध करा रही है। इन्हीं पात्रता श्रेणियों में जिलों की ओर से श्रेणीवार (सामान्य/अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति) मांग पत्र उपलब्ध कराए गए हैं। मौर्य ने जिलों के संबंधित

अधिकारियों को जिलावार व श्रेणीवार निर्धारित लक्ष्य के अनुसार मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के पंजीकरण व स्वीकृत करने की कार्यवाही कराने के लिए निर्देशित किया गया है। ग्राम्य विकास विभाग से मिली जानकारी के अनुसार प्राकृतिक आपदा से प्रभावित 15595, वनटांगिया के 14, कुष्ठ रोग से प्रभावित 767, जेई के 38, एईएस के 18, कालाजार के 22, कोल के 10908, सहरिया के 284, नट के 2001, पछईया लोहार के 20, मुसहर के 587, जिला सोनभद्र में चेरो जनजाति के 3757 व बैगा जनजाति के 1523 इस प्रकार कुल 35534 परिवारों के लिए लक्ष्य आवंटित किया गया है।

आजम खां पर 19 को तय होंगे आरोप

» सरकारी लेटर पैड के गलत इस्तेमाल का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकारी लेटर पैड व मोहर का गलत इस्तेमाल कर वैमनस्यता फैलाने और अपमानित करने के मामले में आरोपी पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान को अभियोजन प्रपत्रों की कॉपी दी गई। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष एसीजेएम अंबरीश कुमार श्रीवास्तव ने आरोप तय करने के लिए 19 जुलाई की तारीख तय की है। कोर्ट में सुनवाई के दौरान आजम खां भी मौजूद थे।

पत्रावली के अनुसार वादी अल्लामा जमीर नकवी ने एक फरवरी 2019 को आजम खां के खिलाफ हजरतगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा गया है

कि घटना वर्ष 2014 से संबंधित है लेकिन सरकार के प्रभाव के चलते उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की जा रही है। नकवी ने राज्य अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य को भेजे शिकायत में आरोप लगाया है कि आजम खां सरकारी लेटर पैड व मोहर का दुरुपयोग करके भाजपा, आरएसएस और मौलाना सैयद कल्बे जवाद नकवी को बदनाम कर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी छवि धूमिल कर रहे हैं।

पल्लवी पटेल की हालत में सुधार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधायक पल्लवी पटेल की हालत में लगातार सुधार हो रहा है। उन्हें आईसीयू से वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल का हालचाल लेने के लिए लखनऊ के मेदांता अस्पताल पहुंचे। उन्होंने उनसे कुशलक्षेम पूछी। इससे पहले बता दें कि पल्लवी को मंगलवार रात बेहोशी की हालत में मेदांता हास्पिटल में भर्ती कराया गया था। गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटें आई थी। डॉक्टरों की टीम में शामिल न्यूरोलॉजी विभाग के डायरेक्टर डॉ अनूप, डॉ ऋत्विज बिहारी, डॉ सुधाकर पांडेय, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ दिलीप दुबे आदि ने उनकी जांच की।

किसान फिर करेंगे आंदोलन, दो सप्ताह तक चलेगा प्रदर्शन

» भाकियू 31 जुलाई को करेगी सड़क जाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। भारतीय किसान यूनियन अब एमएसपी समेत अन्य समस्याओं को लेकर गांव-गांव अभियान चलाएगी। पदाधिकारियों को दो सप्ताह तक चलने वाले आंदोलन की रणनीति समझाई। कहा कि 31 जुलाई को रोड जाम किया जाएगा। इस दौरान आवश्यक सेवाएं बाधित नहीं की जाएंगी। उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में विकास भवन के पास स्थित कार्यालय पर पदाधिकारियों की पंचायत में जिलाध्यक्ष हसीब अहमद ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा ने फैसला लिया है कि 18 से 30 जुलाई तक एमएसपी गारंटी कानून बनाए जाने, स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू कराने, आंदोलन के दौरान किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने समेत कई समस्याओं को लेकर गांव-गांव आंदोलन चलाया जाएगा।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि हाईकमान के आदेशों का पालन करते हुए जिले में भी बड़े स्तर पर आंदोलन चलाया जाएगा। जिलाध्यक्ष ने आंदोलन को सफल बनाने के लिए तहसील और ब्लाकवार पदाधिकारियों

को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी। कहा कि 31 जुलाई को सुबह 11 बजे रोड जाम किया जाएगा। इस दौरान आवश्यक सेवाएं बाधित नहीं की जाएंगी। आंदोलन में अग्निपथ योजना का विरोध और लखीमपुर कांड के दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की भी मांग उठाई जाएगी। ब्लाक प्रमुख कुलवंत सिंह औलख ने कहा कि पृथ्वी पर पेड़ पौधों के बिना जीवन असंभव है। धरती को हरा-भरा बनाने के लिए पौधारोपण बेहद जरूरी है। गुरुवार को गांव मानपुर ओझा में वृक्षारोपण और पंचायत सचिवालय के उद्घाटन किया गया। इस दौरान गांव में जगह-जगह विभिन्न प्रजाति के फलदार, छायादार और अन्य प्रकार के पौधे लगाए गए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।